

मानव-सेठ सा  
 प्रिय रामविलास के <sup>दया</sup> ~~अनन्य~~ मित्रों से जो ~~आप~~ आप  
 अफस हुआ है, वह वास्तव में ~~अनन्य~~ <sup>दया</sup> देने वाला है, इसे खुद को ही ~~अनन्य~~  
 अनुभव करने है ~~इसलिए~~ <sup>जिसलिए</sup> मैं अभी रात ~~करके~~ <sup>करके</sup> ~~आपके~~ <sup>आपके</sup>  
 हाथ ली है। ~~किसी~~ <sup>किसी</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> के तारे यह पत्र ~~आपके~~ <sup>आपके</sup> ~~लिख~~ <sup>लिख</sup> रहा है, आप  
 है, इसके पत्रों से ~~आपके~~ <sup>आपके</sup> ~~इत~~ <sup>इत</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~हो~~ <sup>हो</sup> के लक्ष्य की क्षमता ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 की आत्मिक शक्ति भी ~~मिलेगी~~ <sup>मिलेगी</sup>।  
 क्योंकि यह ठीक है कि ~~तैयारी~~ <sup>तैयारी</sup> ~~जब~~ <sup>जब</sup> ~~हो~~ <sup>हो</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~का~~ <sup>का</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 विचार होगा ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 को ~~दे~~ <sup>दे</sup> ~~दे~~ <sup>दे</sup> है कि ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~कितनी~~ <sup>कितनी</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 पर ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~हो~~ <sup>हो</sup> ~~कितनी~~ <sup>कितनी</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 ही ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 प्राणियों ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 अर्थ का उद्देश्य ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 नहीं ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 को ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 विचार ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 की ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 तैयारी ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 ही ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 की ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 20-20 ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 ने ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 किसी ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 दया ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 पिछड़ा हुआ यह ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>  
 तैयारी ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup> ~~के~~ <sup>के</sup> ~~अनन्य~~ <sup>अनन्य</sup> ~~आप~~ <sup>आप</sup>

मैं संचालने, कहां का वे और कहां अपना डायरी में, जैसे लोगों से सामने कहकर  
 डायरी ले रहा हाथों में सामने हाथ देजावा है। कि आपने नमोवन्दे का ज्ञान-  
 यज्ञ है, शांति है मर्म है। तंत्र विचारों का ज्ञान है। आपका जो सर्वकार  
 और जो सच कहना है और अपने कुतूहलियों का लक्षण नहीं है, उनका जो धर्म भी  
 है तंत्राज्ञान। यदि आपकी डायरी में, जो उन लक्षणों का जो पत्राचार नहीं  
 होगा।  
 आपने <sup>मैंने कर्म के रूप में</sup> ~~मैंने कर्म के रूप में~~ डायरी लेना और खुद में सुखी होने की सुख-  
 जने का स्वयं है और इसी कर्म उन्ना कर्मों जिसे हा है, मैंने परस्परिक तन्त्र-  
 वेदा का ज्ञान है मर्म रोली है मर्म लक्षण की मर्म ज्ञान रोली है, उनलक्षण लक्षण  
 का स्वयं ज्ञान आपसे विवेक कर्मों कि तंत्र का स्वयं ज्ञान की विवेक विवेक  
 कर अपने विवेक है मर्म डायरी है लक्षण यज्ञ में, मर्म विचारों का और  
 आपने कुतूहलियों ज्ञानों का ज्ञान की परिभाषा का कर किसी प्रकार मर्म  
 धारण का है। आपको आत्मिक ज्ञान है, उनलक्षण कर्म रोली, मर्म  
 विवेक ज्ञान आप कर्म का मर्म उन्ना का मर्म ज्ञान आपने ज्ञान ज्ञान ही  
 मर्म विवेक मर्म विवेक ज्ञान और अपने ज्ञान डायरी लक्षण ही  
 ज्ञान ज्ञान ज्ञान विवेक मर्म ज्ञान, आपको अपने कुतूहलियों का  
 मर्म ज्ञान ज्ञान जो मर्म ज्ञान लक्षण ज्ञान मर्म ज्ञान ज्ञान ज्ञान है मर्म ज्ञान  
 कि मर्म आप लक्षण ज्ञान का ज्ञान ज्ञान है लक्षण ही मर्म ज्ञान और विवेक ज्ञान-  
 ज्ञान जो मर्म ज्ञान है मर्म ज्ञान ज्ञान ज्ञान ज्ञान

मर्म ज्ञान ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान  
 मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान मर्म ज्ञान